



दूरसंचार विभाग - संचार मंत्री का संदेश

सितंबर 2026 संस्करण

ध्येय-भारत के डिजिटल भविष्य को सुरक्षित बनाता भरोसेमंद नेटवर्क
नमस्कार!

प्रत्येक अवसरचना क्रांति अंततः भरोसे के सवाल का सामना करती है। सड़कों की गुणवत्ता यात्रा सुरक्षा से आंकी जाती है, और पावर ग्रिड की विश्वसनीयता का आकलन उसके द्वारा पहुंचाने वाली विद्युत धारा प्रवाह से होता है। एक अरब से अधिक लोगों की बचत, पहचान, बातचीत और आकांक्षाएं वहन करने वाला दूरसंचार नेटवर्क का आकलन इस बात से होना चाहिए कि क्या लोग बिना किसी भय के इस पर भरोसा कर सकते हैं। इस महीने में घटित घटनाक्रम एक ऐसे राष्ट्र को दर्शाता है जिसने इसे समझ लिया है और उसी अनुसार ढांचा स्थापित कर रहा है।

नागरिक-केंद्रित शासन को संचार साथी के रूप में उल्लेखनीय अभिव्यक्ति मिली है, जिससे इस पहल के आरंभ होने के बाद पहली बार एक ही महीने में 75 हजार से अधिक खोए और चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट फिर से प्राप्त करने में मदद की है। इस संख्या के पीछे लोगों का बढ़ता विश्वास और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विभाग, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और पुलिस विभागों के बीच बेहतर समन्वय है। यह संबंध सतर्कता पर भी निर्भर है। दूरसंचार विभाग ने लोगों को आईएमईआई नंबरों के साथ छेड़छाड़ और दूरसंचार पहचानकर्ताओं के दुरुपयोग की घटनाओं के प्रति आगाह किया है। ऐसे आचरण से व्यक्तिगत सुरक्षा खतरे में पड़ती है और नेटवर्क की सत्यनिष्ठा प्रभावित होती है। दूरसंचार विभाग ने इसके विरुद्ध सुरक्षा संबंधी कड़े कानूनी प्रावधानों को दोहराया है। हाल में साइबर अपराध की जांच में छत्तीसगढ़ में एक प्वाइंट ऑफ सेल एजेंट सामने आया है, जिसने लोगों के पहचान दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल कर उनकी जानकारी या सहमति के बिना अवैध रूप से 25 मोबाइल कनेक्शन सक्रिय किए। इस तरह की घटनाएं हमें याद दिलाती हैं कि सुरक्षा उपायों को संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए, और जो लोग जनता के भरोसे को तोड़ते हैं उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा।

हालांकि, रोकथाम हमेशा उपाय से बेहतर होता है, और यहां वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम सूचक ने अपनी उपयोगिता सिद्ध कर दी है। 22 मई, 2025 को आरंभ किए जाने के पंद्रह महीनों के भीतर, इसने 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक की संदिग्ध साइबर धोखाधड़ी रोकने में मदद की है। सुरक्षित प्रत्येक रुपये के पीछे एक परिवार है जो बड़ी कठिनाई से बचा है, और इस परिवार का रोजमर्रा की ज़िंदगी में सुरक्षित और भरोसेमंद साधन के रूप में डिजिटल भुगतान पर भरोसा जारी है।

भरोसे को हमारी अपनी क्षमता पर टिके रहना चाहिए। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ टेलीमैटिक्स -सी-डॉट ने क्वांटम डिस्ट्रीब्यूशन और पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी में 14 स्वदेशी क्वांटम उत्पाद तैयार किए हैं। जो इस तरह के खतरों से बचने के लिए संचार नेटवर्क को सुरक्षित बनाने की भारत की क्षमता मजबूत करता है। इसी के समानांतर, नई दिल्ली में एंड-टू-एंड ऑप्टिकल नेटवर्क टेस्ट बेड स्थापित करने के लिए दूरसंचार विभाग और सी-डॉट के बीच पांच साल का समझौता, भारतीय स्टार्टअप और उद्योग को ऑप्टिकल संचार समाधान विकसित करने, उनके परीक्षण और व्यावसायीकरण के लिए एक वास्तविक माहौल प्रदान करेगा। एक राष्ट्र जो अपनी प्रौद्योगिकियों को सुरक्षित और उनकी क्षमता जांच करता है, वहीं अपने डिजिटल भाग्य को आकार देता है।

भारत का यह आत्मविश्वास वैश्विक मंच पर तेजी से दिख रहा है। छठी पीढ़ी की वायरलेस उन्नत संचार तकनीक 6जी में नेतृत्व और सुरक्षा कार्रवाई के आह्वान का समर्थन कर, भारत, खुलेपन, अंतरसंचालनीयता, सुरक्षा, स्थिति अनुरूपता, संसाधन दक्षता और नवाचार-आधारित प्रतिस्पर्धा पर आधारित इसके भविष्य के लिए प्रतिबद्ध समान विचार वाले सरकारों में शामिल हो गया है। ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल 2026 में, मुझे समावेशी और भरोसेमंद डिजिटल वित्तीय पारितंत्र और डिजिटल फाइनेंस के अगले चरण को सशक्त बनाने में दूरसंचार नेटवर्क की मूलभूत भूमिका के बारे में अपनी बात कहने का अवसर मिला।

हालांकि, भरोसा अंतिम छोर तक लोगों के पास पहुंचना चाहिए। राज्यों के नेतृत्व वाले प्रारूप के तहत संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के लिए डिजिटल भारत निधि, दूरसंचार विभाग, झारखंड सरकार, झारखंड डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी लिमिटेड - जेडीआईसीएल, - भारत संचार निगम लिमिटेड बीएसएनएल और झारखंड कम्युनिकेशन नेटवर्क लिमिटेड - जेसीएनएल के बीच समझौता राज्य की भागीदारी के साथ झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड की सुविधा लाएगा। यह सहकारी संघवाद का सक्रिय मॉडल है, जो यह सुनिश्चित करता है कि संचार की सुविधा उन लोगों तक ही सीमित न हो जो नेटवर्क के सबसे निकट रहते हैं।

अंततः एक राष्ट्र जो अपने नेटवर्क पर भरोसा करता है, उसे इसका निर्माण करने में सक्षम होना चाहिए। ग्वालियर में प्रस्तावित दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र के लिए चिन्हित स्थल के मेरे दौरे में यह स्पष्ट हो गया कि यह शहर भारत के दूरसंचार उत्पाद विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के तौर पर उभरने को तैयार है। बेंगलुरु में दूरसंचार विभाग के प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स हितधारकों के तीसरे निवेशक गोल्मेज सम्मेलन ने मध्य प्रदेश में भारत के पहले एकीकृत दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा बनने की उद्योग की ललक दिखायी। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में तीन गोल्मेज सम्मेलनों में, विभाग को 5,500 करोड़ रुपये से अधिक के 50 निवेश प्रस्ताव मिले हैं जिनसे 22,500 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। ग्वालियर में प्रस्तावित दूरसंचार विनिर्माण स्थल पर भूमि उपयोग बदलाव की प्रक्रिया चल रही है, ताकि उद्योग को इसका शीघ्र आवंटन हो सके।

इस महीने, नई दिल्ली में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 7 से 10 अक्टूबर तक स्केल विदाउट बाउंड्रीज थीम के तहत अपना दसवां संस्करण आयोजित करेगी। इस बार जीएसएमए बोर्ड की बैठक भारत में भी होगी। मैं प्रत्येक पाठक को इस आयोजन के हर्ष में शामिल होने को आमंत्रित करता हूँ कि भारत ने क्या बनाया है और आगे वह क्या निर्मित करेगा।

कुल मिलाकर, ये घटनाक्रम एक सुसंगत कहानी बताते हैं। हैंडसेट बरामद किए गए, धोखाधड़ी रोकी गयी, पहचानकर्ताओं को सुरक्षित बनाया गया, सुरक्षा कवच तैयार किए गए, ग्रामीण घरों को संचार नेटवर्क से जोड़ा गया और विनिर्माण केन्द्र स्थापित करने के बारे में विचार किया गया। ये सभी एक ही उद्देश्य की अभिव्यक्ति हैं: कि लोगों का नेटवर्क पर भरोसा बढ़े। इस डिजिटल युग में, भरोसा बुनियादी ढांचे का उप-उत्पाद नहीं है। यह बुनियादी अवसरचना है। यह एक ठोस आधार है जिस पर आगामी पीढ़ियों के लिए भारत का आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धी क्षमता और समावेशिता टिकी रहेगी।

जय हिंद

आपका,

ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया

संचार मंत्री, भारत सरकार